This question paper contains 4 printed pages]

(20) **Roll No.** 2019

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY JC Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **2466**

Unique Paper Code : **12131101**

Name of the Paper : **Classical Sanskrit Literature (Poetry)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit—CBCS (OC)**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note:- Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:- अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 4

Translate the following:

सोऽहमाजन्मशुद्धानामाफलोदयकर्मणाम्।

आसमुद्रक्षितीशानामानाकरथवर्त्मनाम्॥

अथवा (Or)

जुगोपात्मानमत्रस्तो भेजे धर्ममनातुरः।

अगृध्नुराददे सोऽर्थमसक्तः सुखमन्वभूत्॥

(ख) निम्नलिखितकी सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 6

Explain with reference to the context of the following:

अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन्पूर्वसूरिभिः।

मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः॥

P.T.O.

अथवा (Or)

स्थित्यै दण्डयतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये।

अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः॥

2. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: 4

Translate the following:

अथानुरूपाभिनिवेशतोषिणा कृताभ्यनुज्ञा गुरुणा गरीयसा।

प्रजासु पश्चात्प्रथितं तदाख्यया जगाम गौरीशिखरं शिखण्डिमत्॥

अथवा (Or)

निनाय सात्यन्तहिमोत्किरानिलाः सहस्यरात्रीरुदवासतत्परा।

परस्पराक्रन्दिनि चक्रवाकयोः पुरो वियुक्ते मिथुने कृपावती॥

(ख) निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए: 6

Explain with reference to the context of the following:

पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम्।

लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलदृष्टं हरिणाङ्गनासु च॥

अथवा (Or)

स्वयंविशीर्णद्रुमपर्णवृत्तिता परा हि काष्ठा तपसस्तया पुनः।

तदप्यपाकीर्णमतः प्रियंवदां वदन्त्यपर्णेति च तां पुराविदः॥

3. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: 4

Translate the following:

द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे॥

अथवा (Or)

स यौवराज्ये नवयौवनोद्धतं निधाय दुःशासनमिद्धशासनः ।

मखेष्वखिन्नोऽनुमतः पुरोधसा धिनोति हव्येन हिरण्यरेतसम् ॥

(ख) निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए: 6

Explain with reference to the context of the following:

असक्तमाराधयतो यथायथं विभज्य भक्त्या समपक्षपातया ।

गुणानुरागादिव सख्यमीयिवान् न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम् ॥

अथवा (Or)

कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः ।

तवाभिधानाद् व्यथते नताननः सुदुः सहान्मन्त्रपदादिवोरगः ॥

4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: 6

Explain the following:

शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं महीध्रादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।

अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ॥

अथवा (Or)

हर्तुर्याति न गोचरं किमपि शं पुष्णाति यत् सर्वदा-ह्यर्थिभ्यः प्रतिपाद्यमानमनिषं प्राप्नोति वृद्धिं पराम् ।

कल्पान्तेष्वपि न प्रयाति निधनं विद्याख्यमन्तर्धनं येषां तान्प्रति मानमुज्झत नृपाः कस्तैः सह स्पर्धते ॥

5. प्रश्न संख्या 1,2,3,4 में से किन्ही चार रेखांकित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए- 4x2=8

Write grammatical notes on any four of the underlined words in question numbers 1,2,3,4. :

6. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **10x2=20**

Answer any two of the following questions:

I. कुमारसम्भव के आधार पर कालिदास की काव्यशैली पर टिप्पणी कीजिए:

Write a note on the poetic style of Kãlidason the basis of Kumãrsambhavam.

II. रघुवंश के प्रथम सर्ग के आधार पर राजा दिलीप के चरित्र की विशेषताएँ बताइये ।

Describe the salient featurs of King Dilip's character on the basis of 1st canto of Raghuvansham.

III. किरातार्जुनीय के प्रथम सर्ग की विषयवस्तु पर टिप्पणी लिखिए ।

Write a note on the contents of the 1st Canto of Kirãtarjuniyam.

IV. कुमारसम्भवम् के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए ।

Describe the penance of Pārvati on the basis of Vth Canto of Kumārsambhavam

V. नीतिशतक के अनुसार विद्वत्पद्धति पर टिप्पणी कीजिए ।

Write a note on विद्वत्पद्धति according to Nītiśatakam.

7. संस्कृत गीतिकाव्यों के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए । 11

Write an essay on the origin and development of Sanskrit Gītikāvya.

अथवा (Or)

किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

Write Short notes on any two of the following:

I. अश्वघोष Aśvaghoṣa
II. माघ Māgha
III. भट्टि Bhaṭṭi
IV. श्रीहर्ष Śriharṣa

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | |2|0|1|9|

S. No. of Question Paper : **2467** (21)

Unique Paper Code : **12131102** **JC**

Name of the Paper : **Critical Survey of Sanskrit Literature**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit—CBCS (OC)**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

P.T.O.

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

1. ऋग्वेद के धर्म एवं दर्शन का विवेचन कीजिए। 14

Discuss Rigvedic Religion and Philosophy.

अथवा / *Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(1) यजुर्वेद (Yajurveda)

(2) उपनिषद् (Upaniṣad)

(3) वेदांग साहित्य (Vedāṅga Sāhitya)

(4) भारतीय विद्वानों के अनुसार ऋग्वेद का काल (Date of Rgveda according to Indian Scholars)

2. रामायण की विषय–वस्तु का वर्णन कीजिए। 14

Describe the subject-matter of Rāmāyaṇa.

अथवा / *Or*

रामायण की महत्ता बताते हुए परवर्ती साहित्य पर उसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

Highlighting the importance of Rāmāyaṇa discuss its influence on the latter literature.

3. महाभारत के सांस्कृतिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। 14

Describe the cultural importance of Mahābhārata.

अथवा / *Or*

महाभारत को पंचम वेद क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

Why is the Mahābhārata called as fifth Veda ? Explain.

4. पुराणों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व पर लेख लिखिए। 12

Write an essay on the historical and culturai importance of Purāṇas.

अथवा / *Or*

पुराणों के प्रमुख लक्षण बताते हुए पुराणों के सामाजिक महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

Discussing the main features of the Purāṇas explain its social importance.

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 3×7=21

Write short notes on the following :

(1) कात्यायन (Kātyāyana)

अथवा / *Or*

अष्टाध्यायी (Aṣṭadhyāyī)

(2) अलंकार–सम्प्रदाय (Alankara-Sampradāya)

अथवा / *Or*

औचित्य–सम्प्रदाय (Aucitya-Sampradāya)

(3) बौद्ध–दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of Baudha-philosophy)

अथवा / *Or*

योग–दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of Yoga-philosophy)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

S. No. of Question Paper : **3516** (22)

Unique Paper Code : **12135902**

Name of the Paper : **Indian Culture and Social Issues**

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : **I**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer *All* questions.

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15×4=60

Answer any *four* of the following :

(*i*) संस्कृति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Indian culture by explaining the nature of culture.

(*ii*) वैदिक सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

Discuss the major characteristics of Vedic Civilization.

(*iii*) भारतीय पंचांग के अनुसार भारतीय कृषि सम्बन्धित तथा मौसमी त्योहारों पर टिप्पणी लिखिए।

Write a note on Indian agricultural and seasonal festivals according to the Indian calendar.

(*iv*) संस्कृत साहित्य में प्रतिपादित राम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the Rāma's character as propound in Sanskrit literature.

(*v*) द्रौपदी के प्रश्नों पर धृतराष्ट्र की सभा की प्रतिक्रिया का वर्णन कीजिए।

Discuss the reaction of Dhṛtarāṣtra's sabha on the questions of Draupadī .

(*vi*) मनुस्मृति के अनुसार धर्म के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Define the nature of 'Dharma' according to Manusmṛti .

(*vii*) याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार सम्पत्ति में नारी के अधिकारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the women's right to property according to Yājñavalkyasmṛti .

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×7.5=15

(*i*) वज्रसूचि के अनुसार वर्ण-व्यवस्था

(*ii*) भारतीय-इस्लामिक परम्परा

(*iii*) यक्षगान

(*iv*) गीतगोविन्द एवं ओडिसी नृत्य

(*v*) मकर संक्रांति

Write short notes on any *two* of the following

(*i*) Varṇa System according to Vajrasūci

(*ii*) Indo-Islamic Tradition

(*iii*) Yakṣgāna

(*iv*) Gītagovinda and Odissi dance

(*v*) Makar sankranti

[This question paper contains 6 printed pages.]

(23) **Your Roll No.** 2019

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3576 **J**

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Attempt any **four** of the following questions :

(i) ऋग्वेद के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the subject matter of Rgveda.

(ii) आदिकाव्य के रूप में रामायण की समीक्षा कीजिए। (10)

Discuss the Ramayana as an Adikavya.

(iii) विश्वकोश के रूप में महाभारत का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the Mahabharata as an encyclopedic.

(iv) पुराणों के सामाजिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। (10)

Discuss the social importance of Puranas.

(v) अलंकार सम्प्रदाय पर निबन्ध लिखिए। (10)

Write an essay on the Alankar sampradaya.

(vi) भारतीय दर्शन के प्रमुख सम्प्रदायों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (10)

Give an brief introduction to major schools of Indian philosophy.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (5×4=20)

Write short notes on any **four** of the following :

(क) सामवेद

(ख) यजुर्वेद

(ग) अष्टाध्यायी

(घ) कात्यायन

(ङ) उत्तरमीमांसा

(च) रीति

(छ) वक्रोक्ति

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (10×1=10)

Attempt any **ten** questions of the following :

(i) रामायण का रचनाकाल क्या है ?

What is the creation time of Ramayana.

(ii) महाभारत के पर्वों के नाम बताओं।

Write the names of parvas of Mahabharta.

(iii) ऋग्वेद की उपलब्ध शाखाओं के नाम लिखिए।

Write the names of the available branches of Rigveda.

(iv) कृष्ण यजुर्वेद की संहिताओं के नाम बताओं।

Write the names of samhita of Krishna Yajurveda.

(v) अथर्ववेद के उपवेदों के नाम बतलाईये।

Write the names of upa-vedas of Atharva Veda.

(vi) उपनिषद् का अर्थ बतलाईये।

Write the meaning of Upnishad.

(vii) ध्वनि सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन है।

Who is the founder acharya of Dhvani Siddhanta.

(viii) दर्शन शब्द का अर्थ लिखिए।

Write the meaning of Philosophy.

(ix) योगदर्शन में वर्णित नियमों के नाम लिखिए।

Write the names of Niyamas as described in Yogadarshan.

(x) पुराणों का वर्ण्य-विषय क्या है ?

What is the subject matter of Puranas.

(xi) काव्यालंकार सारसंग्रह के रचनाकार कौन है ?

Who is the writer of Kavyalankara Sarasamgraha.

(xii) महाभारत की विभिन्न अवस्थाओं के नाम लिखिए।

Write the name of deferent stages of Mahabharata.

(xiii) वेदांग कितने हैं ? इनके नाम लिखिए।

How many Vedangas? Write their names.

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : (5)

Write short note in Sanskrit any **one** of the following :

(i) आरण्यक

(ii) ब्राह्मण

(iii) सांख्ययोग

[This question paper contains 6 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(24) **Your Roll No.** 2019

Sr. No. of Question Paper : 3575 **J**

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate the following :

वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम् ।

आसीन्महीक्षितामाद्यः प्रणवश्छन्दसामिव ।।

अथवा (Or)

जुगोपात्मानमत्रस्तो भेजे धर्ममनातुरः ।

अगृध्नुराददे सोऽर्थमसक्तः सुखमन्वभूत् ।।

(ख) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं पितरं मनस्विनी ।

अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपःसमाधये ।।

अथवा (Or)

शिलाशयां तामनिकेतवासिनीं निरन्तरास्वन्तरवातवृष्टिषु ।

व्यलोकयन्नुन्मिषितैस्तडिन्मयैर्महातपःसाक्ष्य इव स्थिताः क्षपाः ।।

(ग) श्रियः कुरूणामधिपस्य पालनीं, प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम् ।

स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ, युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः ।।

अथवा (Or)

विधाय रक्षान् परितः परेतरानशङ्कितोकारमुपैति शङ्कितः ।

क्रियाऽपवर्गेष्वनुजीविसात्कृताः कृतज्ञतामस्य वदन्ति सम्पदः ।।

(घ) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं,

तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः ।

यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं,

तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ।।

अथवा (Or)

हर्तुर्याति न गोचरं किमपि शं पुष्णाति यत्सर्वदा-

ऽप्यर्थिभ्यः प्रतिपाद्यमानमनिशं प्राप्नोति वृद्धिं पराम् ।

कल्पान्तेष्वपि न प्रयाति निधनं विद्याख्यमन्तर्धनं

येषां तान्प्रति मानमुज्झत नृपाः कस्तै सह स्पर्धते ।।

2. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain with reference to the context of the following :

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।

तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।

अथवा (Or)

स्थित्यै दण्डयतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये ।

अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः ।।

(ख) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती ।

<u>निनिन्द</u> रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।।

अथवा (Or)

मृणालिकापेलवमेवमादिभिर्व्रतैः स्वमङ्गं ग्लपयन्त्यहर्निशम् ।

तपः शरीरैः कठिनैरुपार्जितं तपस्विनां दूरमधश्चकार सा ।।

(ग) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं, हितान्न यः संशृणुते स किं प्रभुः ।

सदानुकुलेषु हि <u>कुर्वते</u> रतिं, नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

अथवा (Or)

अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य सम्यग्विनियोगसत्क्रियाः ।

फलन्त्युपायाः परिबृंहितायतीरुपेत्य संघर्षमिवार्थसम्पदः ।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2×10=20)

Answer any **two** of the following :

(क) कालिदास की काव्यशैली पर निबन्ध लिखिए ?

Write an essay on the poetic style of Kalidas.

(ख) कुमारसम्भव के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ?

Describe the salient featurs of Parvati's character on the basis of 5th canto of Kumarsambhavam.

(ग) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग की विषय-वस्तु पर टिप्पणी लिखिए?

Write a note on the content of the 1st canto of Kiratarjuniyam.

(घ) भर्तृहरि के अनुसार विद्वद्पद्धति का वर्णन कीजिए ?

Describe the विद्वद्पद्धति according to Bhartrihari.

(ङ) संस्कृत गीतिकाव्यों के उद्भव एवं विकास पर टिप्पणी कीजिए ?

Describe the origin and development of Sanskrit Gitikavyas.

4. प्रश्न संख्या 1, 2 में से किन्हीं **चार** रेखांकित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए - (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** of the underlines words in questions no 1, 2.

5. निम्नलिखित श्लोकों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :

Read the following verses carefully and answer the questions below in Sanskrit :

(क) कथाप्रसंगेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः । (3)

तवाभिधानाद्व्यथते नताननः सु दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः ।।

(i) कस्य इयमुक्तिः ?

(ii) अखण्डलसूनु कः ?

(iii) नताननः भूत्वा कः दुःखं प्राप्नोति ?

(ख) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो, (4)

नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ ।

व्याधिर्भेषज सङ्ग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं,

सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।।

(i) शास्त्रेषु कस्य औषधीः नास्ति ?

(ii) सूर्यातपः केन रोद्धुं शक्यते ?

(iii) अंकुशेन कः वशीक्रियते ?

(iv) विषस्य औषधं किम् ?